

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में साइबर क्लब के शुभारंभ के उपलक्ष्य में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता व्याख्यान दिया

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2025

दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध प्रभाग) श्री देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने आज जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय सभागार में साइबर सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में स्थापित 'साइबर क्लब' के उद्घाटन समारोह का हिस्सा था। समारोह में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ़ मुख्य संरक्षक रहे, जबकि जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने इस कार्यक्रम के संरक्षक की भूमिका निभाई। दिल्ली पुलिस के दक्षिण-पूर्वी जिले के डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कई आईपीएस अधिकारी, दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, गैर-शिक्षण कर्मचारी और विश्वविद्यालय तथा संबद्ध स्कूलों के छात्र शामिल हुए।

इस कार्यक्रम का समन्वयन छात्र कल्याण की डीन प्रोफेसर नीलोफर अफजल, जेएमआई के सुरक्षा सलाहकार श्री एस.ए. राशिद (पूर्व डीसीपी, दिल्ली पुलिस) के मार्गदर्शन में तथा क्लब की टीम के सदस्यों, जिनमें डॉ. शेन काजिम नकवी, डॉ. मुशीर अहमद और क्लब की संयोजक डॉ. उमैमा शामिल थीं, के सहयोग से प्रभावी ढंग से किया गया।

छात्र कल्याण की डीन और साइबर क्लब की सलाहकार प्रो. नीलोफर अफजल ने कहा: "हमें जामिया साइबर क्लब का उद्घाटन करते हुए गर्व हो रहा है। यह डीन, छात्र कल्याण कार्यालय के तहत छात्रों के नेतृत्व वाली एक पहल है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण सत्रों, कार्यशालाओं और विशेषज्ञ वार्ताओं के माध्यम से साइबर जागरूकता और डिजिटल हाइजिन को बढ़ावा देना है।" उन्होंने आगे कहा, "क्लब नैतिक ऑनलाइन व्यवहार को प्रोत्साहित करके और साइबर कानून, डिजिटल अधिकारों, एआई जोखिमों और उभरते खतरों पर चर्चाओं को सुगम बनाकर ज़िम्मेदार डिजिटल नागरिकता को बढ़ावा देना चाहता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि साइबर क्लब दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ़्यूज़न एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (IFSO) इकाई के साथ मिलकर साइबर सुरक्षा में अकादमिक शिक्षा को व्यावहारिक विशेषज्ञता से जोड़ेगा।"

श्री देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान के दौरान, श्रोताओं को साइबर अपराध के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया और उनसे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा साइबर क्लब की स्थापना की सराहना की और इसे वर्तमान समय की आवश्यकता बताया क्योंकि यह परिसर को साइबर-सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि विभिन्न प्रमाणन, एनआईआरएफ और अन्य रैंकिंग में प्राप्त उच्च रैंकिंग के कारण जामिया दूसरों के लिए एक आदर्श बन सकता है। मुझे लगता है कि जामिया को अपने साइबर क्लब के माध्यम से इस आदर्श स्थिति का

उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पूरा विश्वविद्यालय परिसर साइबर-सुरक्षित हो।"

एक आकर्षक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में, श्री श्रीवास्तव ने साइबर अपराधों की बढ़ती व्यापकता पर प्रकाश डाला और ऐसे अपराधों का शिकार बनने से बचने के लिए व्यक्तियों द्वारा सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने वर्तमान में हो रहे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, उनकी प्रवृत्तियों, रोकथाम के तरीकों और ऐसे अपराधों की रिपोर्ट करने की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

छात्रों को संबोधित करते हुए, दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने सोशल मीडिया का उपयोग करते समय आवश्यक सावधानियाँ बरतने पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि म्यूल बैंक अकाउंट एक गंभीर समस्या के रूप में उभरे हैं और ऐसे खातों का शिकार बनने से बचने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. तिवारी ने छात्रों से सावधानी बरतने और आभासी दुनिया में व्यक्तियों के साथ व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचने का आग्रह किया, विशेष रूप से भावनात्मक निर्भरता विकसित होने से बचने के लिए।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने साइबर क्लब की स्थापना में डीएसडब्ल्यू कार्यालय द्वारा की गई पहल की सराहना की, जिसका उद्देश्य सभी विश्वविद्यालय हितधारकों के बीच साइबर अपराध के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने साइबर क्लब की स्थापना के विभिन्न उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला और आशा व्यक्त की कि यह एक अधिक साइबर सुरक्षित परिसर को बढ़ावा देने में योगदान देगा।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस बात पर ज़ोर दिया कि साइबर जगत में वित्तीय अपराध करने वाले लोग अपने शिकार के लालच का फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को आत्म-संतुष्ट रहना चाहिए और लालच के जाल में फँसने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे वे साइबर अपराधियों के शिकार हो सकते हैं। उन्होंने सभी को अच्छे इंसान बनने, नकारात्मकता और हानिकारक विचारों से बचने और जब तक बहुत ज़रूरी न हो, अजनबियों के साथ अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचने के लिए अपील की।

साइबर क्लब के सदस्य डॉ. मुशीर अहमद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया